राजनीतिक पुनर्वास का सुख

यदि राजनीति में आदमी ने अच्छे खासे रसूख वाले अच्छे से अच्छे दिन देखें हो और देखते ही देखते अपने ही दल के हाईकमान ने उसे सर्वथा अप्रासंगिक करार दे दिया हो तो उसके अंतर्मन की पीड़ा को आप और बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। कारण बहुत साफ है कि हमारे जैसे जनसाधारण महंगाई और भ्रष्टाचार की मार से कुछ इस कदर आहत होते हैं कि घायल की गति घायल जाने के आधार पर पराये दर्द की अनुभूति सहज ही की जा सकती है। वैसे व्यवहार में देखा गया है कि राजनीतिक रूप से खाली आदमी को कुर्सी पर बैठा देने पर वह दुख भरे दिन बीते रे भैया, अब सुख आयो रे की तर्ज पर आम से खास आदमी बन जाता है।

राजनीतिक पुनर्वास की स्थिति में मरणासन्न अवस्था से उठकर आदमी में अंतर्मन में असीम ऊर्जा एवं चेतना का प्रबल संचार होने लगता है। इसके चलते जमीन से उठकर आदमी भी रातों-रात एकदम सितारे नुमा हो जाता है। फिर उसके कदम जमीन पर ही हो, यह कतई आवश्यक नहीं होता। साफ तौर पर कहा जाएं तो आदमी के हवा हवाई हो जाने की पूरी-पूरी संभावना बलवती हो जाती है। समर्थक भी खुलकर समर्थन देने लगते हैं और नए-नए समर्थक भी पैदा हो जाते हैं। कभी-कभी तो परिजन भी एकदम पाँवर में आ जाते हैं। वैसे राजनीति में कब कोई कहाँ से उठा कर कहां बैठा दिया जाएं ? इस बारे में पक्के तौर पर कभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

यही कारण है कि सर्वसुख की प्राप्ति हेतु कईयों का दिल राजनीति में बने रहनें का हुआ करता है। जी हाँ मेरा भी, लेकिन ऐसी दिल की बात मैं कभी जुबान पर नहीं लाता। इसके अतिरिक्त एक गणित यह भी है कि लगे तो तीर नहीं तो तुक्का के आधार पर जाने कितने अत्र-तत्र-सर्वत्र युवा दिलों की धड़कन के साथ-साथ जाने कितने वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकर्ता ..... नही नहीं, क्षमा कीजिए ..जाने कितने नेतागण राजनीति की अंतहीन कतार में लगे हुए है। वैसे कहा जाता है कि किसी भी कतार में लग जाने पर अपना नंबर आने की संभावना तो बलवती हो ही जाती है।

अब यह तो कोई लिखने की बात ही नहीं है कि यदि हमने किसी लॉटरी का टिकट खरीदा है, तो ही यह संभव हो सकता है कि हमें इनाम मिल सके। यही कारण है कि राजनीति के प्रति आसक्ति भाव रखने वाला वर्ग समय-समय पर अपने दल के हाईकमान के निकट संपर्क में बने रहने की कोशिश किया करता है। जहां तक आम नागरिकों से जीवंत संपर्क रखने का सवाल है, तो यह काम तो हटर वाली गाड़ी पर सवारी करते हुए भी हो सकता है। कुल मिलाकर मुद्दे की बात यह है कि जिस प्रकार मौसम का कोई ठिकाना नहीं है कि वह कब रंग बदल देवें बिल्कुल ठीक इसी प्रकार कब किसी का भाग्योदय हो जाएं, कुछ नहीं कहा जा सकता।

दरअसल हर एक राजनीतिक दल को हर एक पद पर नियुक्ति के संदर्भ में तमाम तरह के समीकरण साधने की आवश्यकता होती है। इसलिए कब कोई जोकर भी हाईकमान के लिए तुरुप का इक्का लगने लगे, इसका सहज ही अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

इसलिए राजनीति में रुचि रखने वाले वर्ग को यह सलाह दी जाती है कि वे बुरे से बुरे दिन में भी अपने दल के हाईकमान से निकट संपर्क बनाएं रखने की दिशा में सक्रिय रहे। अन्यथा केवल और केवल जनता जनार्दन के बीच हेलो माइक टेस्टिंग हेलो का ही गीत गाते रहने से इस देव दुर्लभ मानव भव के अकारथ हो जाने की स्थिति निर्मित हो जाती है।

राजेंद्र बज

महंगाई के खिलाफ राजबाड़ा पर प्रदर्शन

इंदौर। लगातार बढ़ती महंगाई के खिलाफ इंदौर में विभिन्न जन संगठनों और ट्रेड यूनियनों से जुड़े नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को राजबाड़ा पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महंगाई, बढ़ती खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

महंगाई के खिलाफ उठती आवाज अब सड़क पर दिखाई देने लगी है और विभिन्न जन संगठनों ने इसे व्यापक जनआंदोलन का रूप देने का संकेत दिया है।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर शामिल हुए।

इन तख्तियों पर महंगाई पर रोक लगाने, आम आदमी को राहत देने तथा जरूरी वस्तुओं की कीमतें कम करने की मांगें प्रमुखता से लिखी गई थीं। प्रदर्शनकारी 2014 और 2026 में जरूरी चीजों जैसे आटा, दाल ,शक्कर ,तेल आदि के भाव के तुलनात्मक पोस्टर भी लिए हुए थे।

प्रदर्शन के दौरान श्याम सुंदर यादव, सी.एल. शर्मावत, रामस्वरूप मंत्री, राहुल निहोरे, अरुण चौहान, मनोज हाड़िया, कैलाश लिंबोदिया, रुद्रपाल यादव, सोनू शर्मा, हरिओम सूर्यवंशी, सुमित सोलंकी और भागीरथ कछवाय सहित विभिन्न संगठनों के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं ने हाथों में महंगाई के आंकड़ों और जनसमस्याओं को दर्शाने वाली तख्तियां लेकर सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान +बढ़ती महंगाई पर रोक लगाओ+, +जनता को महंगाई से राहत दो+ जैसे नारे लगाए गए।

जन संगठनों के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि महंगाई और जनसमस्याओं पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

नेताओं ने आम जनता से भी महंगाई के खिलाफ चलाए जा रहे जनअभियान से जुड़ने की अपील की।

पूर्व अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास से कर्मचारी वापस बुलाने की मांग

इंदौर। मत्स्य महासंघ, हाउसिंग बोर्ड सहित विभिन्न निगम-मंडलों के कर्मचारियों को पूर्व आईएएस अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास पर निजी कार्यों में लगाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सेमी गर्वमेंट एम्प्लाइज फेडरेशन के संयोजक अनिल बाजपेई और अर्द्ध शासकीय अधिकारी-कर्मचारी सार्वजनिक उपक्रम संघ के प्रांताध्यक्ष अरुण वर्मा ने इस व्यवस्था का कड़ा विरोध किया है।

कर्मचारी नेताओं का आरोप है कि मत्स्य महासंघ, हाउसिंग बोर्ड और अन्य निगम-मंडलों में सीधी भर्ती नहीं होने तथा बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के कारण पहले से ही स्टाफ की कमी बनी हुई है। इसके बावजूद इन संस्थाओं के कर्मचारियों को पूर्व आईएएस अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास पर कार्य करने के लिए लगाए रखा गया है।

नेताओं का कहना है कि कई अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कई राजनेता अब पूर्व मंत्री हैं। इसके बावजूद उनके निवास पर तैनात कर्मचारियों को संबंधित निगम-मंडलों में वापस नहीं बुलाया जा रहा है।

उनका आरोप है कि इन कर्मचारियों के वेतन का भुगतान भी संबंधित निगम-मंडलों द्वारा किया जा रहा है।

निगम-मंडलों में स्टाफ की कमी

अनिल बाजपेई और अरुण वर्मा ने कहा कि एक ओर निगम-मंडलों में कर्मचारियों की कमी के कारण नियमित कामकाज प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर उपलब्ध मानव संसाधन का उपयोग पूर्व अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों के निवास पर किया जा रहा है।

उन्होंने इसे निगम-मंडल प्रशासन की गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए तत्काल व्यवस्था में बदलाव की मांग की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि जब संबंधित अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं और मंत्री अपने पद पर नहीं हैं, तो उनके निवास पर निगम-मंडलों के कर्मचारियों की तैनाती जारी रखने का औचित्य स्पष्ट किया जाना चाहिए।

उनका कहना है कि निगम-मंडलों के कर्मचारियों को संस्थाओं के काम में लगाया जाना चाहिए, ताकि सीमित स्टाफ का उपयोग जनहित और विभागीय कार्यों के लिए हो सके।

एडवोकेट डॉ हर्ष मेहता बने अ भा श्री सौधर्म बृहदतपागच्छिय त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के प्रदेश संयोजक

इंदौर। अखिल भारतीय श्री सौधर्म बृहदतपागच्छिय त्रिस्तुतिक श्रीसंघ की मध्यप्रदेश इकाई की प्रदेश कार्यकारिणी में सुप्रीम कोर्ट श्री हर्ष मेहता को प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय मोदी द्वारा संघ का प्रदेश संयोजक (विधि प्रकोष्ठ) नियुक्त किया गया है।

श्री मेहता प्रमुख कानूनी सलाहकार के रूप में श्री संघ में अपनी अहम एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभायेंगे ।।

उक्त नियुक्ति मोहनखेड़ा महातीर्थ से संचालित होने वाले त्रिस्तुतिक संघ द्वारा की गई है। श्री हर्ष जी मेहता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रादेशिक स्तर पर सौंपी गई है, जिसमें आगामी दादा गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेंद्र सूरीश्वरजी की द्विशताब्दी के ऐतिहासिक, अलौकिक एवं अनुपम कार्यक्रमों से संबंधित कार्यों की भी प्रमुख जिम्मेदारी शामिल रहेगी।

देश की संपत्ति हम सबकी धरोहर है

इंदौर। भविष्य में यदि हमारे हाथ में भी कोई अधिकार हो, संपत्ति को संभालने की जिम्मेदारी आए तो उसे कैसे निभाएं, यह कला हर एक भारतीय को याद होना चाहिए। देश की हर संपत्ति हम सबकी धरोहर है। इसे सहेजना और संभालना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी होना चाहिए। तुलसीदासजी का रामचरितमानस हम भारतीयों को उनकी बहुत बड़ी देन है। जिस प्रकार से उन्होंने इसका गठन किया है, एक-एक सोपान, एक-एक चौपाई हमें सिखाती है जीवन जिया कैसे जाए। किष्किंधा कांड में कुछ प्रसंग ऐसे हैं, जो हमें अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग करते हैं। इसलिए हर राम व हनुमान भक्त को इस कांड के सूत्रों से जरूर गुजरना चाहिए। यह बात जीवन प्रबंधन गुरु पं. विजयशंकर मेहताजी (हमारे हनुमान परिवार, उज्जैन) ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर अभय प्रशाल परिसर स्थित लाभ मंडपम सभागृह में आयोजित श्री हनुमान चालीसा महापाठ के दौरान कही। +एक शाम रिश्तों के नाम+ कार्यक्रम में किष्किंधा कांड के हनुमानजी

पर आधारित व्याख्यान में कहा हमारे किसी भी काम या गतिविधि में निरंतरता जरूरी है। निरंतरता कैसे बनाए रखें, यह श्रीराम तथा हनुमानजी के चरित्र से सीखा जा सकता है। महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन सिंघानिया, संयोजक श्री रोहित सोमानी एवं समन्वयक ओमप्रकाश पसारी ने बताया पूज्य पं. मेहताजी की प्रेरणा से जीवन प्रबंधन समूह तथा महोत्सव आयोजन समिति द्वारा देश के अलग-अलग शहरों में होने वाले हनुमान चालीसा महापाठ की कड़ी में इंदौर में यह 15वां तथा कुल 108वां आयोजन था। टीवी तथा सोशल मीडिया के माध्यम से देश-दुनिया के करोड़ों भक्तों ने एक साथ एक ही समय श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण पवन सिंघानिया- ने दिया। संचालन सीमा मुछाल ने किया। इस अवसर पर राजीव मुछाल, दिनेश परवाल, एस एन गदिया, जयंत गुप्ता, मुरली सोनी, रामविलास राठी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे। पंडितजी मेहता का और महालयोहर केन्द्रीय समिति के समन्वयक, पिछले 18 से अधिक वर्षों से कार्यक्रम के प्रमुख सूत्रधार, समाजसेवी ओमप्रकाश पसारी का वैश्य समाज म.प्र., खण्डेलवाल समाज, गो- सेवा भारती, विश्व हास्य- योग महासंघ परिवार की ओर से मालवी पगड़ी, शाल, श्रीफल, विशेष उपर्णा आदि भेंटकर आत्मीय सम्मान किया। कैलाशचंद खण्डेलवाल, रमेश गुप्ता, सुरेश पिंगले, रामविलास राठी, राम मूंदड़ा, दिलीप जैन, धीरज खण्डेलवाल आदि उपस्थित थे। पसारी को जन्मदिन पर बधाई भी दी गई।

रक्षाबंधन पर सावन महोत्सव का समापन, नेपाल त्रासदी के मृतकों की शांति के लिए होगा हवन

इंदौर। तपोनिष्ठ संत श्री श्री 1008 पीठाधीश्वर श्री राजगुरु जी महाराज के सानिध्य में शिवनगर तिल्हौर खुर्द मार्ग स्थित हनुमंत खेड़ापति आश्रम, पिपलिया लोहार में 29 जुलाई से चल रहे सावन महोत्सव एवं अखंड रामायण पाठ का समापन रक्षाबंधन पर्व पर 28 अगस्त को भव्य धार्मिक आयोजन के साथ होगा।

समापन अवसर पर दोपहर 12 बजे विशाल भंडारा, गुरुदीक्षा कार्यक्रम, हवन-पूजन, महाभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। सावन महोत्सव के दौरान आश्रम में प्रतिदिन भगवान महादेव का अभिषेक, विशेष पूजन एवं महाआरती की गई।

समापन अवसर पर नेपाल में हुई त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी तथा उनकी आत्मा की शांति एवं सद्गति के लिए विशेष हवन-पूजन किया जाएगा। गुरुवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्री राजगुरु जी महाराज ने कहा कि नेपाल में हुई त्रासदी से भारत सहित कई देशों के लोगों को क्षति पहुंची है।

चैतन्य भारत व गो सेवाभारती की चेतावनी

इंदौर.कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा राष्ट्रीय गीत %वंदे मातरम% के आंशिक गायन के निर्णय और 15 अगस्त को इसके गायन के दौरान हुए कथित विवाद को लेकर विभिन्न संगठनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। चैतन्य भारत और गो सेवाभारती ने इसे संविधान, संसद और राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान बताते हुए कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और उसकी मान्यता रद्द करने की मांग की है।

संविधान और संसद के सम्मान को ठेसः पं. योगेंद्र महंत

चैतन्य भारत मार्गदर्शक मंडल के संयोजक पंडित योगेंद्र महंत ने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी द्वारा वंदे मातरम का विरोध और आंशिक गायन का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण व असंवैधानिक है। यह कदम देश की शासन व्यवस्था पर आघात करता है। कांग्रेस को तुरंत इस आत्मघाती निर्णय पर देश से माफी मांगनी चाहिए।

कटाक्ष

ग़ज़ल

ये कौन सी बहती हवा कुछ
आजकल इस देश में।
हर साँस को लगती दवा कुछ
आजकल इस देश में।।

कोई भी सलीक़ा है नहीं कुछ
इन दिनों इंसान में,
ये है बिना पीए नशा कुछ
आजकल इस देश में।

जम्हूरियत में आदमी है अब
ज़ियादा ही दुखी,
अच्छा नहीं जन की दशा कुछ
आजकल इस देश में।

हर ओर है ग़मगीन सा इक
चेहरा इस मुल्क में,
खोले जुबाँ मिलती सज़ा कुछ
आजकल इस देश में।

कर दे बग़ावत आज ही जागे
हुकूमत नींद से,
हो जाय सबका ही भला कुछ
आजकल इस देश में।

वीरेन्द्र नारायण झा वीरेन समया-मधुबनी-बिहार-मिथिला।

पेथड़ शाह के रूप में सकलेचा परिवार को दिया धर्मोपदेश

इंदौर। श्री सौधर्म बृहतपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ के द्वारा जारी चातुर्मास में आयोजित धर्मसभा में जैनाचार्य विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी एवं विद्वदरत्न विजयजी ने पेथड़ शाह के जीवन प्रसंग के माध्यम से गुरु आज्ञा, संयम, ब्रह्मचर्य और पुण्य की लक्ष्मी को परमार्थ में लगाने की प्रेरणा दी।

इस दौरान नवकार महामंत्र आराधना के सव्वपावप्पणासणो के पावन अवसर पर गुरुदेव द्वारा संघपति की स्थापना कर पेथड़ शाह के रूप में सकलेचा परिवार को धर्मोपदेश दिया गया। धर्मसभा का संचालन महेंद्र बागवाला किया एवं धनराज संघवी ने आभार जताया चातुर्मास के मुख्य लाभार्थी रवि-प्रतिभा मोदी हैं।

सयाजी होटल ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद रसोई संचालन पुनः किया शुरू

इंदौर समाचार प्रतिनिधि। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, इंदौर खंडपीठ द्वारा 22 अगस्त को पारित अंतरिम आदेश के अनुपालन में सयाजी होटल, इंदौर ने अपनी रसोई का सामान्य संचालन पुनः शुरू कर दिया है। आदेश के बाद होटल के सभी रेस्तरां, इन-रूम डाइनिंग, बैंक्वेट कैटरिंग तथा अन्य सभी फूड एंड बेवरेज सेवाएं पूरी तरह से संचालित हो रही हैं। रसोई संचालन बहाल होने के साथ ही होटल अब अपने मेहमानों को ठहरने, समारोहों, सामाजिक आयोजनों, शादियों और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों के लिए अपनी संपूर्ण डाइनिंग एवं बैंक्वेट सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। इस अवसर पर सयाज रूप के कॉर्पोरेट जनरल मैनेजर ऑपरेशंस, अनीश श्रीवास्तव ने कहा, माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में हमने सयाजी होटल, इंदौर में रसोई का सामान्य संचालन पुनः शुरू कर दिया है। हमारा ध्यान निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ गुणवत्ता, सुरक्षा और सेवा के उन उच्च मानकों को बनाए रखने पर है, जिनकी हमारे अतिथि सयाजी से अपेक्षा करते हैं। हम अतिथि अनुभव के हर पहलू में निरंतर उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मार्केटिंग डायरेक्टर अनुभव लाल ने कहा, हमारे अतिथियों, साझेदारों और शुभचिंतकों का विश्वास हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी प्राथमिकता स्पष्ट और पारदर्शी संवाद बनाए रखना है ताकि हमारे अतिथि डाइनिंग, ठहरने, समारोहों और व्यावसायिक आयोजनों के लिए सयाजी होटल, इंदौर को पूरे विश्वास के साथ चुनते रहें।

वृक्ष को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प व्यक्त करेंगे

इंदौर। महालक्ष्मी नगरवार्ड 37 मैं पार्षद श्रीमती संगीता जोशी एवं विधायक प्रतिनिधि महेश जोशी के नेतृत्व में पौधारोपण का अभियान विगत एक सप्ताह से क्षेत्र के विभिन्न बगीचों एवं नागरिकों के निवास आंगन में एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत जारी है।

ओके जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता अशोक काले एवं राकेश जायसवाल ने बताया क्षेत्र के रहवासी संगठन पदाधिकारी एवं वरिष्ठनागरिकों मातृशक्ति के सहयोग से क्षेत्र में निरंतर पौधारोपण जारी है।